आई. टी. एल. पब्लिक स्कूल

एस. ए. 1 (2015 – 16)

हिंदी Set A

तिथिः 28.9.15 **उत्तर पत्रक** **कक्षा ः आठवीं**

समयः 3 घंटा **कुल अंक–90**

आवश्यक निर्देश—

1•पठन भाग क के अंतर्गत वर्तनी संबंधी अशुद्धियों के लिए **0.5** अंक काटे जाएँगे तथा उत्तर अपूर्ण होने पर भी **0.5** अंक काटे जाएँगे।

2•भाषा भाग ख में वर्तनी या वाक्य रचना संबंधी गलती होने पर कोई अंक नहीं दिया जाएगा।

3•साहित्य भाग ग में वर्तनी संबंधी अशुद्धियों के लिए प्रत्येक पाँच अशुद्धियों के लिए **1** अंक काटा जाए।

4•लेखन भाग घ में उत्तर की गुणवत्ता,रचनात्मकता,लेखन क्षमता तथा सभी आवश्यक बिंदुओं के समावेश के आधार पर समग्र रूप से जाँचकर अंक दिए जाएँगे।

खंड क– पठन

1• **दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें ः**

वाणी प्राणी की पहचान है।जिस प्रकार कौए और कोयल की पहचान उसकी वाणी से हो जाती है,उसी प्रकार किसी व्यक्ति के आचार–व्यवहार तथा स्वभाव की परख उसकी वाणी द्वारा हो जाती है।मीठी वाणी दूसरों को वश में करने की औषधि है।जब हम मधुर वाणी का श्रवण करते हैं,तब हमारा चित्त प्रसन्न हो जाता है।सज्जन सर्वदा मधुर वाणी का ही प्रयोग करते हैं,जबकि दुर्जनों की वाणी कटु तथा कर्कश होती है।मीठी वाणी शत्रु को मित्र बना सकती है,निराश व्यक्तियों में आशा उत्साह का संचार कर सकती है।कटु वाणी हृदय में शूल की तरह चुभती है।इससे अपने भी पराए बन जाते हैं।इतना ही नहीं,कटु वाणी लड़ाई–झगड़ों,यहाँ तक कि बड़े युद्ध का कारण भी बन जाती है।द्रोपदी के कटु वचन महाभारत का कारण बनें ,ऐसा कहा जाता है।जिस व्यक्ति ने अपनी वाणी को वश में कर लिया और मधुर वचनों का प्रयोग सीख लिया,उसने मानो सब कुछ पा लिया।मधुर वाणी अमृत के समान काम करती है।

क) किसी भी व्यक्ति की पहचान किससे होती है? **1**

उत्तर– किसी व्यक्ति के आचार–व्यवहार तथा स्वभाव की परख उसकी वाणी द्वारा हो जाती है। **1**

ख) दुर्जनों की वाणी की क्या विशेषता होती है?

उत्तर– दुर्जनों की वाणी कटु तथा कर्कश होती है। **2**

ग) हमारी वाणी किस प्रकार की होनी चाहिए और क्यों ?

उत्तर– मधुर वाणी अमृत के समान काम करती है।इसलिए हमारी वाणी जितना हो सके मधुर होनी चाहिए। **1**

घ)हमारा चित्त कब प्रसन्न हो जाता है ? **2**

उत्तर– जब हम मधुर वाणी का श्रवण करते हैं,तब हमारा चित्त प्रसन्न हो जाता है।

ङ) लेखक क्या संदेश देना चाहता है? **2**

उत्तर–कि हमें प्रत्येक दशा में मठिए वाणी का ही प्रयोग करना चाहिए।

च)कटु वाणी किसका कारण बनती है?

उत्तर–,कटु वाणी लड़ाई–झगड़ों,यहाँ तक कि बड़े युद्ध का कारण भी बन जाती है। **2**

छ)दो उपसर्ग युक्त शब्दों का चयन करें।
उत्तर-सज्जन,स्वभाव
ज)गद्यांश के लिए एक शीर्षक दें।
उत्तर-मधुर वाणी का महत्व। 1

2. <u>दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें ः</u>

ओ हिंसा के सौदागर ,अपनी दुकान उठा लो,
शांति-पर्व है,भागो-भागो घृणा बेचने वालों।
आने दो सुख-समता का,खुशियों का नया ज़माना
पहन रही है धरती फिर से,नई ज्योति का बाना।
सबकी आँखों में जगमग,हो रहा प्रेम का सपना,
सबके सुख में हम सुख पाते,सबका मातम अपना।
अड़ें सत्य पर,सदा न्याय पर,अर्पित प्राण हमारे,
यहाँ न जीते पापी अब तक,धर्मी कभी न हारे।
हम मिट जाते,रहता अपराजित विश्वास हमारा,
जैसे कभी न डिगता नभ का ज्योर्तिमय ध्रुव तारा।
क्या सुन पड़ती नहीं तुम्हें,मानवता की जयगाथा,
है खूनी इतिहास झुकाता,जिसके आगे माथा।
क्या सुन पड़ती नहीं तुम्हें नव संकल्पों की वाणी,
नहीं चलेगी आज तुम्हारी,प्रतिहिंसा मनमानी।

क)कवि ने किसे ध्रुव तारे के समान बताया है? 1
उत्तर-अपराजित विश्वास को।
ख)कवि घृणा बेचने वालों से क्या कहते हैं? 1
उत्तर-यही कि अब तुम्हारी हिंसा और मनमानी नहीं चलेगी।
ग)सबका मातम अपना से क्या अभिप्राय है? 1
उत्तर-सबके दुखों को अपना ही दुख मानना।
घ)कवि ने किन पर अड़ने का आह्वान किया है? 1
उत्तर-सत्य और न्याय पर।
ड़)कवि प्रस्तुत कविता के माध्यम से क्या संदेश देना चाहते हैं? 2
उत्तर-कि हमें मानवता के प्रति सदा एक विश्वास बनाए रखना होगा,द्वेष के बजाए सभी प्राणियों के प्रति प्रेम भाव तथा शांति को बनाए रखना चाहिए। 1
च)सबकी आँखों में किस तरह के भाव नज़र आ रहे हैं?
उत्तर-प्रेम तथा मानवता के प्रति अडिग विश्वास के भाव। 1
छ)काव्यांश के लिए एक उचित शीर्षक दें।
उत्तर-नव संकल्प की शक्ति।

<u>खंड-ख भाषा</u>

3. लिपि किसे कहा जाता है? 1
उत्तर-ध्वनियों को लिखने की विधि।

4. दिए गए शब्दों में संधि कीजिए-
1.राम+ईश्वर 1

2•मनः हर 1

उत्तर- 1•रामेश्वर 2•मनोहर

5• मानक भाषा से आप क्या समझते हैं उदाहरण सहित उत्तर दीजिए- 2

वह भाषा जो विद्वत एवं शिष्ट जनों के द्वारा प्रयोग में लाई जाती है तथा भाषा का यह रूप सर्वमान्य होता है।

6• वर्तनी अशुद्धि को दूर करके शब्दों को शुद्ध करें -

1•त्यौहार 1

2•सम्बर्नधित 1

उत्तर-1•त्योहार 2•संबंधित

7• सही शब्द का चुनाव करके वाक्य पूर्ण करें -

1•परीक्षा का ......छात्रों को नहीं होना चाहिए। (भय,आशंका,भ्रम) 1

2•सभी का कल्याण हो,हम यही...........करते हैं। (अभिलाषा,कामना,इच्छा) 1

उत्तर- 1•भय 2•कामना

8• उचित पर्यायवाची शब्द के द्वारा वाक्य पूर्ण करें -

1•फूलों की सुगंध सभी को........... कर देती है। (हर्ष) 1

2•स्वतंत्रता के उपरांत भारत ने बहुत..............की। (उत्कर्ष) 1

उत्तर-1•प्रसन्न 2•तरक्की

9• रेखांकित शब्दों के विलोम शब्दों के द्वारा वाक्य पूर्ण करें -

1•हमारी कक्षा में बीस विद्यार्थी <u>उतीर्ण</u> हुए और पाँच...........। 1

2•आज देश के <u>रक्षक</u> ही ....बन गए हैं। 1

उत्तर-1•अनुत्तीर्ण 2•भक्षक

10• समास-विग्रह करके समास का नाम भी बताएँ-

1•नीलकंठ 1

2•राहखर्च 1

उत्तर- 1•नीला है जो कंठ-कर्मधारय समास

2•राह के लिए खर्च -तत्पुरूष समास

<u>खंड ग-साहित्य</u>

11• **<u>दिए गए गदयांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए ः</u>**

पंडित जवाहरलाल नेहरू ने सन् 1953 में सही ही कहा था कि हज़ारों सालों तक संचार का साधन केवल हरकारे या फिर तेज़ घोड़े रहे हैं।उसके बाद पहिए आए।पर रेलवे और तार से भारी बदलाव आया।तार ने रेलों से भी तेज़ गति से संवाद पहुँचाने का सिलसिला शुरू किया।अब टेलीफोन वायरलैस और आगे रेडार दुनिया बदल रहा है।

क) प्राचीन समय में संदेशों का आदान-प्रदान किनके द्वारा किया जाता था?

उत्तर-हरकारों तथा तेज़ दौड़ने वाले घोड़ों के द्वारा। 1

ख)पहिए के आविष्कार ने पत्रों की दुनिया को कैसे प्रभावित किया?

उत्तर-पत्र अब पहले की अपेक्षा काफी जल्दी पहुँचने लगे। 1

ग)संदेश पहुँचाने का काम कौन शीघ्र करने लगे?

उत्तर-रेलवे और तार। 1

घ)संचार के आधुनिक साधन कौन कौन से हैं?

उत्तर-वायरलेस रेडार और टेलीफोन। 1

12• वे कौन-से कारण थे जिनकी वजह से लेखक का बस पर से भरोसा उठ चुका था? 2

उत्तर-लेखक ने जब से यात्रा शुरू की तब से बस कई बार खराब हो चुकी थी। उसे ठीक करके चलाया तो गया,पर हर बार उसकी रफ्तार कम होती जा रही थी। अब उसे अन्य पुर्ज़ों ब्रेक,स्टेयरिंग के फेल होने का डर लग रहा था,इसलिए बस पर से भरोसा उठ चुका था।

13• मशीनी युग ने कितने हाथ काट दिए हैं-इस पंक्ति में लेखक ने किस व्यथा की ओर संकेत किया है? 2

उत्तर-मशीनों का अंधाधुंध प्रयोग करने से उत्पन्न बेरोज़गारी की ओर इस पंक्ति में संकेत किया गया है। सैंकड़ों मनुष्यों का काम करने के लिए केवल कुछ ही मशीनें काफी होती हैं और ऐसे में बहुत से कुशल कारीगर बेकार हो जाते हैं भूखों मरने के कगार पर पहुँच जाते हैं। यही व्यथा इस पंक्ति से प्रकट होती है।

14• बिलवासी मिश्र के चरित्र से आपको क्या सीख मिलती है? 2

उत्तर-हमें भी उन्हीं की तरह मुसीबत में फँसे अपने मित्र की मदद अवश्य ही करनी चाहिए और यदि इसके लिए हमें कभी परेशानी भी उठानी पड़े तो हमें उसकी भी परवाह नहीं करनी चाहिए।

15• कामचोर कहानी आज के युवाओं के लिए क्या संदेश छोड़ जाती है? 2

उत्तर-युवा बचपन से ही काम करने की आदत डालें तथा माता पिता के काम में हाथ बँटाकर प्रत्येक काम में कुशलता को प्राप्त करें परिवार जनों पर कदापि बोझ न बनें। आज का युवा वर्ग परिश्रम करने से कतराता है। इसलिए यह उनके लिए एक सीख का काम करती है।

16• पत्र आज भी अपनी अहमियत किस तरह बनाए हुए हैं? 2

उत्तर-संसार में प्रतिदिन हज़ारों -लाखों नहीं ,बल्कि करोड़ों पत्र अपने-अपने गंतव्य स्थान तक पहुँचते हैं। अकेले भारत में ही साढ़े चार करोड़ पत्र प्रतिदिन डाक में डाले जाते हैं। इससे स्पष्ट होता है कि पत्रों की अहमियत आज भी बरकरार है।

17• <u>दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए ः</u>

हम तो केवल यह आँकते हैं
कि एक देश की धरती
दूसरे देश को सुगंध भेजती है।
और वह सौरभ हवा में तैरते हुए
पक्षियों की पाँखों पर तिरता है।
और एक देश का भाप
दूसरे देश में पानी बनकर गिरता है।

क) कवि और कविता का नाम लिखिए। 1

उत्तर-रामधारी सिंह दिनकर , भगवान के डाकिए। 1

ख)काव्यांश में धरती क्या काम करती हुई चित्रित की गई है? 1

उत्तर-काव्यांश में धरती द्वारा किसी एक स्थान पर खिले पुष्पों की महक किसी अन्य स्थान पर भेजते हुए चित्रित किया गया है। 1

ग)पृथ्वी द्वारा किए गए इस कार्य का प्रचार -प्रसार कैसे होता है?

उत्तर-पृथ्वी द्वारा भेजी गई महक हवा में तैरती है तथा पक्षियों के पंखों पर सवार होकर बाकी के स्थानों पर फैल जाती है।

घ)काव्यांश में मनुष्य के लिए क्या संदेश निहित है?
उत्तर-हम मनुष्यों को अपनी स्वार्थ भावना त्यागकर,जाति धर्म की सीमाओं को लाँघकर प्रेम भाव का संदेश फैलाना चाहिए।

18. ध्वनि कविता के कवि अपने जीवन रूपी उपवन को महकाने के लिए क्या-क्या करना चाहते हैं? **2**
उत्तर-कुछ रचनात्मक कार्य करना चाहते हैं।वह नींद से बोझिल कलियों पर अपना हाथ फेरते हुए एक सुखद एवं मनोहर प्रभात आने की बात कहना चाहते हैं।आलस्य में डूबे युवाओं का प्रमाद दूर भगाना चाहते हैं उनमें नवजीवन का संचार करना चाहते हैं।

19. कवि पुष्पों को अनंत का द्वार क्यों दिखाना चाहते हैं? **1**
उत्तर-ताकि पुष्प अपनी नींद में डूबे रहने की इच्छा एवं आलस्य छोड़कर अनंत समय तक अपनी खुशबू से संसार को महकाते रहें।

20. भगवान के डाकिए कविता का मूल भाव स्पष्ट करें। **2**
उत्तर-इसमें मनुष्य को विश्वबंधुत्व की भावना मज़बूत करने का संदेश दिया गया है।जिस प्रकार प्रकृति अपने खज़ाने को बिना भेद किए सब पर लुटा देती है उसी प्रकार हमें जाति,धर्म,संप्रदाय आदि की भावना से ऊपर उठकर मानवता का संदेश देना चाहिए।

21. दीवानों के दिल पर असफलता की निशानी क्यों शेष रह गई? **1**
उत्तर-वे लोगों को स्थायी खुशियाँ प्रदान करने व आज़ादी प्राप्त करने के जिस उद्देश्य से घूमते थे,अनेक प्रयासों के उपरांत भी उनका वह उद्देश्य पूर्ण नहीं हो सका।

22. दीवानों की हस्ती कविता में दीवाने कौन थे? **1**
उत्तर-जो बेफिक्री का जीवन व्यतीत करते हैं लोगों के बीच मस्ती से जीवन जीने का संदेश देते हुए देश के हित अपना सब कुछ अर्पित कर देना चाहते हैं।

23. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **5**
सिद्धार्थ के पैदा होने पर महर्षि असित ने क्या भविष्यवाणी की थी?
उत्तर—इस बालक में सच्ची महानता के लक्षण हैं।यह बालक समस्त संसार के रहस्यों का भेदन करने में समर्थ होगा।यह शाश्वत सत्यों का साक्षात्कार करके संसार को एक नया मार्ग प्रकाशित करेगा।

24. बिंबिसार ने सिद्धार्थ के समक्ष क्या प्रस्ताव रखा?
उत्तर– अपने साथ राजधानी ले चलने को कहा और यह भी कि मुझे आप जैसे ही एक बुद्धिमान मित्र की आवश्यकता है जिससे मैं अपने मन के भावों का आदान प्रदान कर सकूँ।वन का जीवन तो अत्यंत ही कठोर है अतः आप मेरे साथ चलें।

25. सिद्धार्थ से अलग होने पर छंदक और कंथक की दशा का वर्णन करें ।
उत्तर– छंदक फूट फूट कर रोने लगा।वन से लौटते हुए उसका दिल इतना भारी था कि जिस दूरी को वह पहले एक दिन में पूरा करता था उसी दूरी को पूरा करने में आठ दिन लगे।कंथक ने न तो घास खाई न पानी ही पिया उसके नेत्र भी अश्रुओं से परिपूर्ण थे।

खंड घ-लेखन

26. दिए गए संकेत बिंदुओं की सहायता से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखें -
भोर का सौंदर्य—भोर का समय सबसे निराला,भोर के विविध दृश्य,प्रकृति के रूप। **5**

अथवा

इंटरनेट-जनसंचार का लोकप्रिय माध्यम,विशेषताएँ,इंटरनेट के विभिन्न उपयोग,दुरूपयोग।
भूमिका-1 भाव व विषयवस्तु- **2** प्रस्तुतिकरण- **2**

27• नौकर और मालिक के बीच वेतन वृद्धि के लिए हुए संवाद को लगभग **50** शब्दों में लिखें। **5**

भूमिका–**1** भाव व विषयवस्तु– **2** प्रस्तुतिकरण– **2**

28• विद्यालय में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में विजयी घोषित होने का वर्णन करते हुए मित्र को पत्र लिखिए।

भूमिका–**1** भाव व विषयवस्तु– **2** प्रस्तुतिकरण– **2**

29• किसी बाईक कंपनी के लिए एक आकर्षक विज्ञापन तैयार करें। **5**

भूमिका–**1** भाव व विषयवस्तु– **2** प्रस्तुतिकरण– **2**

30• दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखकर अपने विचार व्यक्त करें– **5**

5

भूमिका–**1** भाव व विषयवस्तु– **2** प्रस्तुतिकरण– **2**

आई. टी. एल. पब्लिक स्कूल

एस. ए. 1 (2015 – 16)

हिंदी Set B

तिथिः **28.9.15** उत्तर पत्रक कक्षा ः आठवीं

समयः **3** घंटा कुल अंक–**90**

आवश्यक निर्देश—

1•पठन भाग क के अंतर्गत वर्तनी संबंधी अशुद्धियों के लिए 0.5 अंक काटे जाएँगे तथा उत्तर अपूर्ण होने पर भी 0.5 अंक काटे जाएँगे।

2•भाषा भाग ख में वर्तनी या वाक्य रचना संबंधी गलती होने पर कोई अंक नहीं दिया जाएगा।

3•साहित्य भाग ग में वर्तनी संबंधी अशुद्धियों के लिए प्रत्येक पाँच अशुद्धियों के लिए 1 अंक काटा जाए।

4•लेखन भाग घ में उत्तर की गुणवत्ता,रचनात्मकता,लेखन क्षमता तथा सभी आवश्यक बिंदुओं के समावेश के आधार पर समग्र रूप से जाँचकर अंक दिए जाएँगे।

<u>खंड क- पठन</u>

1• <u>दिए गए गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें ः</u>

हम कई बार छोटी-छोटी बातों से दुखी हो जाते हैं,उदास हो जाते हैं,निराश हो जाते हैं और कई बार तो क्रोधित भी हो जाते हैं।किसी ने हमसे नमस्ते नहीं की,कोई मित्र हमारा जन्मदिन भूल गया,एक व्यक्ति हमसे समय पर मिलने नहीं आया,भाई बाज़ार से एक आवश्यक सामान लाना भूल गया,किसी ने हमारी बुराई कर दी आदि।हैं तो सब परेशान करने वाली बातें,किंतु इतनी बड़ी भी नहीं कि आपा ही खो दिया जाए अथवा उन पर ज़ोर से चिल्लाया जाए।किसी ने हमारी अनुचित बुराई कर दी तो मुस्कराकर कारण पूछा जा सकता है,कोई कुछ करना भूल गया तो उसे विनम्रता से पुनः याद दिलाया जा सकता है तथा प्यार व सावधानी से किसी से शिकायत भी की जा सकती है।छोटी बातों को छोटा ही रहने दिया जाए तो ही अच्छा। जब बातें इतनी गंभीर न हों तो हम इतने गंभीर क्यों हो जाएँ?लोगों की आदतों को हम एकदम नहीं बदल सकते तथा
छोटी बड़ी अनपेक्षित घटनाओं को हम नियंत्रित नहीं कर सकते।हमारे अपने लोग गलतियाँ करें **2**
अथवा पराए लोग भूल करें उनके साथ शालीनता से पेश आना चाहिए नहीं तो अनावश्यक रूप **2**
से बात का बतंगड़ बन सकता है। **2**

क)हम किन किन कारणों से निराश हो जाते हैं ? **2**

उत्तर-किसी ने हमसे नमस्ते नहीं की,कोई मित्र हमारा जन्मदिन भूल गया,एक व्यक्ति हमसे समय **2**
पर मिलने नहीं आया,भाई बाज़ार से एक आवश्यक सामान लाना भूल गया,किसी ने हमारी बुराई **2**
कर दी आदि

ख)किन उपायों को अपनाकर हम स्वयं पर नियंत्रण रख पाते हैं?

उत्तर- किसी ने हमारी अनुचित बुराई कर दी तो मुस्कराकर कारण पूछा जा सकता है,कोई कुछ करना भूल गया तो उसे विनम्रता से पुनः याद दिलाया जा सकता है।

ग)हमें किन बातों की सावधानी बरतनी चाहिए?

उत्तर- हमारे अपने लोग गलतियाँ करें अथवा पराए लोग भूल करें उनके साथ शालीनता से पेश आना चाहिए नहीं तो अनावश्यक रूप से बात का बतंगड़ बन सकता है।

घ)अगर कोई गलती कर ही दे तो किस प्रकार स्थिति को संभाला जा सकता है?

उत्तर- प्यार व सावधानी से किसी से शिकायत भी की जा सकती है।

ङ)आशय स्पष्ट कीजिए-छोटी बातों को छोटा ही रहनें दें तो अच्छा है।

उत्तर-कहने का अभिप्राय यह है कि साधारण बातों को लेकर अपना आपा खो देने से बात का बतंगड़ बन सकता है।

च)हम सकारात्मक दृष्टिकोण रखकर समस्या कैसे सुलझा सकते हैं?

उत्तर -इससे निराशा नहीं होती व मनुष्य शालीन व्यवहार से हर समस्या को सुलझा सकता है।

2• <u>दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें –</u>

नदी और तालाब में ,कूड़ा दें जो डाल।
ठीक नहीं यह कार्य,बंद करो तत्काल।।
प्रकृति सदा देती रही,सबका अच्छा साथ।
इसे छेड़ गलती करी,स्वयं कटाया हाथ।।
नदियों का पानी नहीं,हो पाए बेकार।
सही तरह उपयोग कर,कर इसका भंडार।।
रक्षित पर्यावरण हो,अच्छे बनें विचार।
मन में रख करूणा,दया कर जीवों से प्यार।।
शुद्ध अगर जलवायु हो,जीना हो आसान।
सभी प्रदूषण रोकिए,रखकर पूरा ध्यान।।
पराबैंगनी किरण से,बचा सके अब कौन।
छिद्र हो रहे परत में,जो नभ में ओज़ोन।।
धरती रखो संभालकर,नहीं प्रकृति को छेड़।
ज़्यादा पेड़ लगाइए,बांधो ऊँची मेड़।
हरी-भरी धरती रहे ,भरे नदी तालाब।
हर मन में खिलता रहे, सुंदर फूल गुलाब।
पानी-मिट्टी से जुड़े,होता बहुत विकास
इनकी रक्षा करने से ,साफ़ रहे आकाश।।

क)प्रकृति को छेड़ने से क्या हानि हुई है?
उत्तर-जीव नष्ट हो रहे हैं,सांस लेना दूभर हो रहा है।
ख)पराबैंगनी किरणों का क्या दुष्प्रभाव होता है? **1**
उत्तर-ओज़ोन की परत में छिद्र हो रहे हैं।
ग)धरती को बचाए रखने के लिए क्या करना चाहिए? **1**
उत्तर-पेड़ अधिक से अधिक लगाना,ऊँची मेंड़ बनवाना।
घ)मन में सुंदर गुलाब कैसे खिलेगा? **1**
उत्तर-जब सब ओर हरा भरा दिखेगा।
ड़)प्रदूषण के कम न होने के क्या कारण हैं ? **1**
उत्तर-इंसान का लोभ ,लालच
च)पानी और मिट्टी से जुड़ने के क्या लाभ हैं?
उत्तर-इन्हीं से सभ्यता का विकास होता है और आकाश भी स्वच्छ रहता है। **2**
छ)काव्यांश के लिए एक उचित शीर्षक दें। **1**
उत्तर-प्रदूषण की हानियाँ। **1**

<u>खंड-ख भाषा</u>

3• व्याकरण का भाषा में क्या महत्व है? **1**
उत्तर-यह वह शास्त्र है जो भाषा को शुद्ध रूप में लिखना,पढ़ना और बोलना सिखाता है।

4• दिए गए शब्दों में संधि कीजिए-
1•सम् +विधान **1**

2•पुरः +कार 1

उत्तर–1•संविधान 2•पुरस्कार

5• मानक भाषा से आप क्या समझते हैं उदाहरण सहित उत्तर दीजिए– 2

उत्तर– वह भाषा जो विद्वत एवं शिष्ट जनों के द्वारा प्रयोग में लाई जाती है तथा भाषा का यह रूप सर्वमान्य होता है।

6• वर्तनी अशुद्धि को दूर करके शब्दों को शुद्ध करें –

1•भाग्युदय 1

2•निषकपट 1

उत्तर–1• भाग्योदय 2•निष्कपट

7• सही शब्द का चुनाव करके वाक्य पूर्ण करें –

1•दवाई उचित **प्रमाण** में खानी चाहिए। 1

2•वह धूम्रपान का **आदि** है। 1

उत्तर–1• परिमाण 2•आदी

8• उचित पर्यायवाची शब्द के द्वारा वाक्य पूर्ण करें –

1•दशहरे के अवसर पर बंगाल में .... पूजा की जाती है। (भवानी) 1

2•1857 में भारत का प्रथम स्वाधीनता ....लड़ा गया। (युद्ध) 1

उत्तर– 1•दुर्गा 2•संग्राम

9• रेखांकित शब्दों के विलोम शब्दों के द्वारा वाक्य पूर्ण करें –

1•विज्ञान ने **निर्माण** के साधन दिए हैं,जिनसे मनुष्य........... करने पर तुला है। 1

2•सरकार ने पिछले वर्ष खाद्यान्न का **आयात** किया था,पर इस वर्ष वह..............करेगी। 1

उत्तर–1• विध्वंस 2• निर्यात

10• समास–विग्रह करके समास का नाम भी बताएँ–

1•दशानन 1

2•लालमिर्च 1

उत्तर– 1•दस हैं जिसके आनन अर्थात रावण 2•लाल है जो मिर्च कर्मधारय

खंड ग–साहित्य

11• **दिए गए गदयांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए ः**

इसी समय पं बिलवासी मिश्र भीड़ को चीरते हुए आँगन में आते दिखाई पड़े।उन्होंने आते ही पहला काम यह किया कि उस अंग्रेज़ को छोड़कर और जितने आदमी आँगन में घुस आए थे,सबको बाहर निकाल दिया।फिर आँगन में कुर्सी रखकर उन्होंने साहब से कहा–आपके पैर में शायद कुछ चोट आ गई है। अब आप आराम से कुर्सी पर बैठ जाइए।

क) पाठ और लेखक का नाम लिखिए। 1

उत्तर–अकबरी लोटा,अन्नपूर्णानंद ।

ख)बिलवासी जी ने भीड़ को बाहर क्यों निकाल दिया? 1

उत्तर–ताकि अंग्रेज़ से शांतिपूर्वक बात कर सके।

ग)यहाँ साहब किसे कहा गया है? 1

उत्तर–अंग्रेज़ व्यक्ति को।

घ)अब आप आराम से कुर्सी पर बैठ जाइए–वाक्य में आप शब्द व्याकरण की दृष्टि से क्या है? 1

उत्तर–सर्वनाम।

12• वस्तु विनिमय क्या है?विनिमय की प्रचलित पद्धति क्या है? **2**

उत्तर-किसी वस्तु को देकर अपनी मनचाही वस्तु खरीदना। बदले समाज में आज वस्तुओं के बदले वस्तुएँ नहीं ली जाती हैं आज केवल धन देकर ही सामान खरीदा जाता है।

13• बदलू के मन में ऐसी कौन-सी व्यथा थी जो लेखक से छिपी न रह सकी? **2**

उत्तर- मशीनों का अंधाधुंध प्रयोग करने से उत्पन्न बेरोज़गारी की ओर इस पंक्ति में संकेत किया गया है। सैंकड़ों मनुष्यों का काम करने के लिए केवल कुछ ही मशीनें काफी होती हैं और ऐसे में बहुत से कुशल कारीगर बेकार हो जाते हैं भूखों मरने के कगार पर पहुँच जाते हैं।यही व्यथा इस पंक्ति से प्रकट होती है।

14• लेखक ने पन्ना पहुँचने की उम्मीद क्यों छोड़ दी थी? **2**

उत्तर-उन्होंने देखा कि बस बार -बार खराब हो रही है। अब तो हेडलाइट खराब होने से वह और भी रूक रूक कर चल रही थी। बस की ऐसी दशा और चाल देखकर लेखक ने पन्ना जाने की उम्मीद छोड़ दी थी।

15• कामचोर कहानी क्या संदेश देती है? **2**

उत्तर- युवा बचपन से ही काम करने की आदत डालें तथा माता पिता के काम में हाथ बँटाकर प्रत्येक काम में कुशलता को प्राप्त करें परिवार जनों पर कदापि बोझ न बनें।आज का युवा वर्ग परिश्रम करने से कतराता है।इसलिए यह उनके लिए एक सीख का काम करती है।

16• बिलवासी जी ने रूपयों का प्रवंध किस प्रकार किया था? **2**

उत्तर-अपनी पत्नी के संदूक से चोरी करके।सोती हुई पत्नी के गले में पड़ी चेन से ताली निकाली और चुपचाप संदूक से रूपए निकालकर उसे बंद कर दिया।

17• <u>दिए गए पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए ः</u>

पक्षी और बादल,
ये भगवान के डाकिए हैं,
जो एक महादेश से
दूसरे महादेश को जाते हैं
हम तो समझ नहीं पाते हैं
मगर उनकी लाई चिट्ठियाँ
पेड़,पौधे,पानी और पहाड़ बाँचते हैं।

क)कवि और कविता का नाम लिखिए। **1**

उत्तर-रामधारी सिंह दिनकर तथा भगवान के डकिए।

ख)काव्यांश में डाकिए कौन हैं और उन्हें डाकिए क्यों कहा गया है? **1**

उत्तर-पक्षी और बादल डाकिए हैं क्योंकि ये भगवान का संदेश पृथ्वी पर लाते हैं।

ग)इन डाकियों की लाई चिट्ठियों को कौन पढ़ता है? **1**

उत्तर-पेड़,पौधे,पानी तथा पर्वत पढ़ते हैं।

घ)ये डकिए परंपरागत डाकियों से कैसे भिन्न होते हैं ?

उत्तर-परंपरागत डाकिए मनुष्य द्वारा मनुष्य के लिए भेजे गए संदेश लेकर आते हैं इसके विपरीत पक्षी और बादल भगवान का संदेश लाते हैं जिन्हें हम पढ़ नहीं पाते हैं। **1**

18• <u>ध्वनि कविता के कवि अपने जीवन रूपी उपवन को महकाने के लिए क्या-क्या करना चाहते हैं?</u> **2**

उत्तर- कुछ रचनात्मक कार्य करना चाहते हैं।वह नींद से बोझिल कलियों पर अपना हाथ फेरते हुए एक सुखद एवं मनोहर प्रभात आने की बात कहना चाहते हैं।आलस्य में डूबे युवाओं का

प्रमाद दूर भगाना चाहते हैं उनमें नवजीवन का संचार करना चाहते हैं।

19. कवि पुष्पों को अनंत का द्वार क्यों दिखाना चाहते हैं? **1**

उत्तर- ताकि पुष्प अपनी नींद में डूबे रहने की इच्छा एवं आलस्य छोड़कर अनंत समय तक अपनी खुशबू से संसार को महकाते रहें।

20. भगवान के डाकिए कविता का मूल भाव स्पष्ट करें। **2**

उत्तर--इसमें मनुष्य को विश्वबंधुत्व की भावना मज़बूत करने का संदेश दिया गया है।जिस प्रकार प्रकृति अपने खज़ाने को बिना भेद किए सब पर लुटा देती है उसी प्रकार हमें जाति,धर्म ,संप्रदाय आदि की भावना से ऊपर उठकर मानवता का संदेश देना चाहिए।

21. दीवानों की हस्ती कविता क्या संदेश देती है? **1**

उत्तर-हमें लोगों के दुख को अपना दुख समझना चाहिए तथा उनमें खुशियाँ बाँटनी चाहिए।देशवासियों के लिए कल्याण की भावना रखनी चाहिए।

22. दीवाने अभावग्रस्त लोगों के दुख लेकर उन्हें क्या देना चाहते हैं ? **1**

उत्तर-वे खुशियों से वंचित तथा अभावग्रस्त लोगों के दुख ले लेते हैं तथा अपनी खुशियाँ देकर उनके जीवन को खुशहाल बनाने का प्रयास करते हैं।

23. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **5**

सिद्धार्थ के पैदा होने पर महर्षि असित ने क्या भविष्यवाणी की थी?

उत्तर—इस बालक में सच्ची महानता के लक्षण हैं।यह बालक समस्त संसार के रहस्यों का भेदन करने में समर्थ होगा।यह शाश्वत सत्यों का साक्षात्कार करके संसार को एक नया मार्ग प्रकाशित करेगा।

24. बिंबिसार ने सिद्धार्थ के समक्ष क्या प्रस्ताव रखा?

उत्तर—अपने साथ राजधानी ले चलने को कहा और यह भी कि मुझे आप जैसे ही एक बुद्धिमान मित्र की आवश्यकता है जिससे मैं अपने मन के भावों का आदान प्रदान कर सकूँ।वन का जीवन तो अत्यंत ही कठोर है अतः आप मेरे साथ चलें।

25. सिद्धार्थ से अलग होने पर छंदक और कंथक की दशा का वर्णन करें ।

उत्तर—छंदक फूट फूट कर रोने लगा।वन से लौटते हुए उसका दिल इतना भारी था कि जिस दूरी को वह पहले एक दिन में पूरा करता था उसी दूरी को पूरा करने में आठ दिन लगे।कंथक ने न तो घास खाई न पानी ही पिया उसके नेत्र भी अश्रुओं से परिपूर्ण थे।

खंड घ-लेखन

26. दिए गए संकेत बिंदुओं की सहायता से किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखें -

पुस्तकों का महत्व-पुस्तकें ज्ञान की भंडार,मनुष्य के विकास का आधार,चरित्र -निर्माण में सहायक,मनोरंजन का उत्तम साधन। **5**

अथवा

समय बहुमूल्य है-उचित समय का चुनाव,सफलता का कारण,महान लोगों के उदाहरण।

भूमिका-1 भाव व विषयवस्तु- 2 प्रस्तुतिकरण- 2

27. अनुशासन के विषय में अपनी कल्पना से पिता और पुत्र के बीव में संवाद लिखें। **5**

भूमिका-1 भाव व विषयवस्तु- 2 प्रस्तुतिकरण- 2

28. मॉडर्न केक एवं बेकर्स की तरफ से एक आकर्षक विज्ञापन तैयार करें। **5**

भूमिका-1 भाव व विषयवस्तु- 2 प्रस्तुतिकरण- 2

29. अनुज को मन लगाकर पढ़ने की सलाह देते हुए पत्र लिखें। **5**

भूमिका–**1** भाव व विषयवस्तु– **2** प्रस्तुतिकरण– **2**

30• दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखकर अपने विचार व्यक्त करें– **5**

भूमिका–**1** भाव व विषयवस्तु– **2** प्रस्तुतिकरण– **2**